DVZL2L

14

कपड़े तरह–तरह के

दीपावली के त्यौहार पर राजू के घर से दर्जी की दुकान पर कपड़े सिलने के लिए दिए गए। छोटेलाल दर्जी के यहाँ तरह–तरह के कपड़ों को सिलवाने की होड़ लगी थी– बच्चों के कपड़े, बड़ों के कपड़े, दादाजी के कपड़े। छोटेलाल दर्जी को बिल्कुल भी फुर्सत नहीं थी। उसकी दुकान में तरह–तरह से तैयार किए गए कपड़े टंगे हुए थे।

तुम्हारे परिवार के सभी लोगों ने अपने लिए किस तरह के कपड़े सिलवाए होंगे।

तुम्हारे भाई ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी बहन ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी माँ ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारे पिता जी ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारे दादा जी ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी दादी जी ने	1. ————————	2. ————————

कपड़े हमें ठंड, गर्मी, बरसात तथा धूल से बचाते हैं। ये हमारे शरीर को ढकते भी हैं और सुंदर भी दिखाते हैं।

क्या तुम बता सकते हो कि इस तरह के (सूती) कपड़े कब पहनते हैं?

———————————————————

सूती कपड़े हमारे शरीर को ठंडा रखते हैं और हमारे पसीने को सोख लेते हैं।

अब बताओ कि ऊन से बने कपड़े हम क्यों पहनते हैं?

———————————————————

बरसाती और छाते का उपयोग हम क्यों करते हैं?

———————————————————

विशेष अवसरों पर हम रंग–बिरंगे कपड़े पहनते हैं।

हम जिन कपड़ों का उपयोग करते हैं वे कपास, रेशम और ऊन आदि से बनते हैं। ऊन हमें भेड़ों से मिलता है तथा रेशम हमें रेशम के कीड़ों से मिलता है। कपड़ों को हमेशा सुरक्षित जगह पर रखना चाहिए, नहीं तो चूहे या कीड़े उन्हें खराब कर देते हैं।

हमने क्या सीखा

मौखिक

1 शाला में तुम कैसी पौशाक पहन कर आते हो?

2. घर में तुम अपने कपड़े कहाँ रखते हो?

लिखित

1. डिब्बे में 'हाँ' या 'नहीं' लिखो।

1. गर्मियों में हम सूती कपड़े पहनते हैं।
2. सूती कपड़े हमारे शरीर को गरम रखते हैं।
3. बारिश के मौसम में हम छाते का उपयोग करते हैं।
4. विभिन्न मौसम में लोग विभिन्न प्रकार के कपड़े पहनते हैं।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो – (भेड़, रंगों, कपड़े)

1. धूप, ठंड और बरसात से बचने के लिए हम ———————— पहनते हैं।
2. ऊनी कपड़ों के लिए ऊन हमें ———————— से प्राप्त होता है।
3. कपड़ों को आकर्षक बनाने के लिए हम ———————— का उपयोग करते हैं।

3. अलग–अलग प्रकार के कपड़ों के नाम लिखो।
4. अपने घर में कपड़े से बनी चीजों के नाम लिखो।

DW9H49

खोजो आस–पास

1. कपड़े को रंगने के लिए क्या करते हैं? पता करो।
2. अलग–अलग वेशभूषा पहने व्यक्तियों के चित्रों को एकत्र कर अपनी कॉपी में चिपकाओ।
3. कागज को काटकर पायजामा, बनियान, स्कर्ट व कमीज (शर्ट) की आकृतियाँ बनाओ। इस कार्य में बड़ों की मदद लो।
4. अपने घर के बुजुर्गों (दादा–दादी आदि) से पूछकर पता करें कि वे बच्चे थे तब किस–किस तरह के कपड़े – पोशाक पहनते थे?